फाइले खो गया है, ढूंढें या न ढूंढें?

गत वर्ष नवंबर में युरोपीय अंतरिक्ष संस्था (ईएसए) ने रोज़ेटा नामक यान के माध्यम से एक धूमकेतु पर फाइले नामक लैंडर भेजा था जो सफलतापूर्वक वहां पहुंच गया था। मगर हाल ही में उसकी बैटरियों ने काम करना बंद कर दिया है और पता नहीं चल रहा है कि फाइले उस धूमकेतु पर कहां है। मिशन के वैज्ञानिकों के सामने सवाल है कि उसकी तलाश करने की कोशिश करें या न करें।

यह तो पता है कि फाइले धूमकेतु 67पी/चुर्यूमेव-गेरासिमेंको पर 20 मीटर चौड़ी और 200 मीटर लंबी एक पट्टी पर कहीं है। मगर इसकी एकदम सही-सही स्थिति का पता लगाना मुश्किल हो रहा है क्योंकि बैटरियां बंद हो जाने के कारण यह कोई संदेश नहीं भेज रहा है। अब इसकी सही स्थिति का पता लगाने का एक ही तरीका है - इसके मूल यान रेज़ेटा को धूमकेतु के एकदम पास भेजा जाए। फिलहाल रोज़ेटा धूमकेतु से 20 किलोमीटर की दूरी पर चक्कर काट रहा है। इतनी दूरी से जो तस्वीरें खींची जाती हैं उनमें फाइले की तस्वीर नहीं आ पाती है। करना यह होगा कि रोज़ेटा को धूमकेतु से मात्र 6 किलोमीटर की दूरी पर भेजा जाए।

वैसे तो रोज़ेटा की योजना में इस तरह धूमकेतु के नज़दीक से उड़ान भरना शामिल था मगर वह उस समय के लिए तय किया गया था जब धूमकेतु ऐसी स्थिति में होगा कि सूरज रोज़ेटा के पीछे हो। कारण यह था कि इस स्थिति में धूमकेतु की छाया से मुक्त तस्वीरें खींची जा सकेंगी। रोज़ेटा के पास बहुत अधिक मात्रा में ईंधन नहीं है। इसलिए वह ऐसी एक ही नज़दीकी उड़ान भर सकता है। वैज्ञानिकों को निर्णय करना होगा कि क्या वे फाइले की स्थिति पता करने के लिए रोज़ेटा की नज़दीकी उड़ान अभी करना चाहते हैं, जिसका मतलब होगा कि पूर्व नियोजित उड़ान नहीं हो पाएगी।

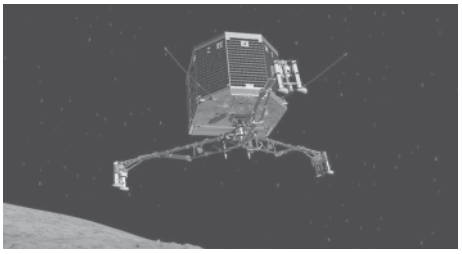

दूसरी ओर, एक समस्या यह है कि यदि आपको फाइले की सही स्थिति पता नहीं है तो उससे जो आंकड़े प्राप्त हुए हैं उनको समझना मुश्किल होगा। लिहाज़ा वैज्ञानिक दुविधा में हैं।

आशा की एक किरण यह है कि अब उपरोक्त धूमकेतु सूरज के नज़दीक आ रहा है। जब वह नज़दीक आएगा, तो संभव है कि फाइले की सौर बैटरियों को ज़्यादा धूप मिलेगी और हो सकता है कि वे एक बार फिर काम करने लगें।

पूरे मामले में समय ज़्यादा नहीं है। जल्दी ही यह धूमकेतु सूरज के अत्यंत नज़दीक आकर अपनी वापसी यात्रा पर निकल जाएगा। यह घटना 2016 में होगी। इससे पहले वैज्ञानिकों को निर्णय करना होगा। ***(स्रोत फीचर्स)***